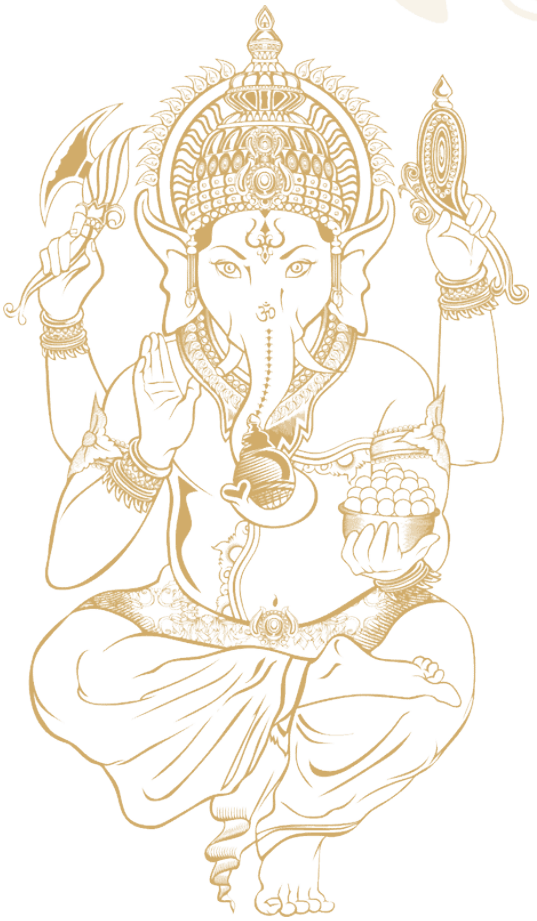

Shiv Pallvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121930402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/08/1992	जन्म तिथि	15/03/1998
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 20:39:50	जन्म समय(घटी)	28:59:23 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Gonda
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	27:08:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	81:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:04	सूर्योदय	06:12:21
18:29:15	सूर्यास्त	18:10:23
23:45:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 7मा 14दि	23:40:15	वृश्चि	लग्न	सिंह	26:01:34	मंगल 5वर्ष 7मा 3दि
गुरु	05:43:31	सिंह	सूर्य	मीन	00:52:42	गुरु
07/04/2022	17:10:12	वृष	चंद्र	कन्या	26:00:49	18/10/2021
07/04/2038	23:40:21	वृष	मंगल	मीन	14:31:54	18/10/2037
गुरु 25/05/2024	17:19:06	कर्क	बुध	मीन	18:13:14	गुरु 06/12/2023
शनि 06/12/2026	25:41:24	सिंह	गुरु	कुंभ	15:31:35	शनि 18/06/2026
बुध 13/03/2029	24:46:54	सिंह	शुक्र	मक	15:02:44	बुध 23/09/2028
केतु 17/02/2030	20:16:50	मक व	शनि	मीन	25:55:11	केतु 30/08/2029
शुक्र 18/10/2032	04:56:21	धनु	राहु व	सिंह	16:41:43	शुक्र 30/04/2032
सूर्य 06/08/2033	04:56:21	मिथु	केतु व	कुंभ	16:41:43	सूर्य 16/02/2033
चन्द्र 06/12/2034	20:41:14	धनु व	हर्ष	मक	17:21:18	चन्द्र 18/06/2034
मंगल 12/11/2035	22:45:53	धनु व	नेप	मक	07:39:55	मंगल 25/05/2035
राहु 07/04/2038	26:31:55	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	14:13:40	राहु 18/10/2037

लग्न-चलित

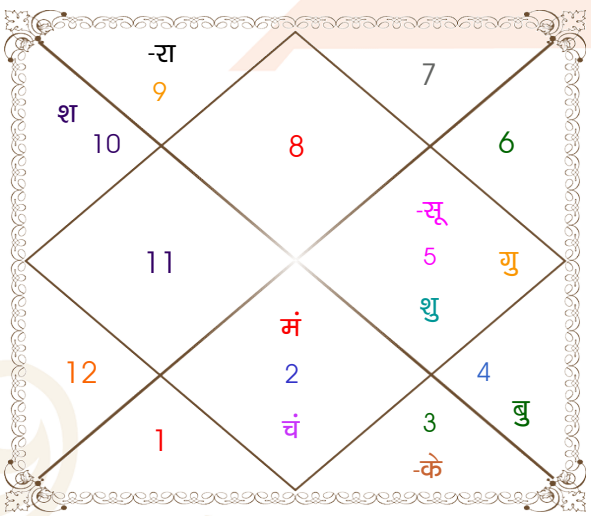

लग्न-चलित

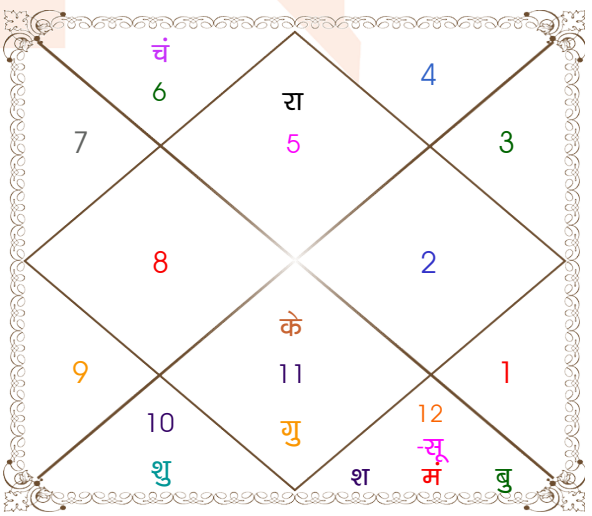

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Shiv का वर्ग मृग है तथा Pallvi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और Pallvi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Shiv कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pallvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Pallvi कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shiv कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथा Pallvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।